

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधन

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 247]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 10, 1970/आषाढ़ 19, 1892

No. 247]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 10, 1970/ASADHA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 10th July 1970

S.O. 2374/15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be, substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as M/s. Prabha Mills Ltd., Viramgam (Gujarat), for which having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:

Chairman

1. Shri I. B. Das Gupta, 168-F, Ambedkar Road, Bombay-14.

Members

2. Shri M. Sivagnanam, Industries Commissioner, Gujarat, Multi-Storeyed Building, Bhadra, Ahmedabad-1.

(1065)

3. Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation Ltd., New Delhi.
4. Shri V. V. S. Sastry, Joint Director (Finance), National Textile Corporation Ltd., New Delhi.
5. Shri P. G. Gandhi, Joint Director of Investigation, Company Law Board, 100, Marine Drive, Bombay.

Member Secretary

6. Shri B. D. Mukherjee, Deputy Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay-20.

[No. F.9(15)/Lic.Pol./70.]

R. C. SETHI, Under Secy.

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1970

का० आ० 2374/15/आई जी० आर० ए०/70.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भैससं प्रभा मिल्स लि०, विरामगाम (गुजरात), नामक औद्योगिक उपक्रम में निर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की सम्भावना है, जिसके लिये, विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई औचित्य नहीं है ;

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्द्वारा नियुक्ति करती है :—

अध्यक्ष

1. श्री आई० बी० दास गुप्ता, 168-एफ०, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14।

सदस्य

2. श्री एम० शिवागणनम, उद्योग आयुक्त, गुजरात, मल्टी-म्टोरीड बिल्डिंग, भादरा, अहमदाबाद-1।
3. श्री एम० जी० मीरचंदानी, निदेशक (तकनीकी), राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०, नई दिल्ली।
4. श्री वी० वी० एस० शास्त्री, संयुक्त निदेशक (वित्त), राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०, नई दिल्ली।
5. श्री पी० जी० गांधी, समवाय विधि बोर्ड के संयुक्त जांच निदेशक, 100, मैरीन ड्राइव, बम्बई।

सदस्य सचिव

6. श्री बी० डी० मुखर्जी, उप-निदेशक, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई-20।

[सं० फा० 9(15) एल० आई० सी० पोल/70]

आर० सी० सेठी, प्रवर सचिव।

